परिशिष्ट-II

ग्रेड 'बी' (सामान्य) में अधिकारियों की सीधी भर्ती - पैनल वर्ष 2025 के लिए चयन योजना तथा पाठ्यक्रम:

चयन ऑनलाइन परीक्षाओं तथा साक्षात्कार के माध्यम से होगा। परीक्षाएं निम्नानुसार दो चरणों में होंगी

(I) चरण-I - ऑनलाइन परीक्षा (वस्तुनिष्ठ स्वरूप)

इस परीक्षा में 200 अंकों का एक एकल प्रश्नपत्र होगा और यह परीक्षा **18 अक्टूबर 2025** को आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों की संख्या और अन्य प्रशासनिक आवश्यकताएं के आधार पर परीक्षा एकाधिक पालियों में तथा कुछ अन्य दिनों पर भी आयोजित की जा सकती है। तथापि एक उम्मीदवार को दिए गए दिन और केवल एक ही पाली में परीक्षा के लिए उपस्थित होना होगा। उम्मीदवार को जिस तिथि, समय और स्थान पर परीक्षा के लिए उपस्थित होना होगा वह उम्मीदवार द्वारा हमारी वेबसाइट (www.rbi.org.in) से डाउनलोड किए जाने वाले प्रवेश-पत्र में विनिर्दिष्ट किया जाएगा। उम्मीदवारों द्वारा विभिन्न सत्रों (यदि आयोजित किए गए हों) में प्राप्त किए गए शुद्ध अंकों का सामान्यीकरण इक्वीपरसेंटाइल तरीके से किया जाएगा (यदि परीक्षा एक से अधिक सत्रों में आयोजित की जाती है तो विभिन्न सत्रों के स्कोर सभी सत्रों में प्रयुक्त विभिन्न परीक्षण बैटरीज की कठिनाई के स्तर में मामूली अंतर के समायोजन की आईबीपीएस की मानक पद्धति के अनुसार आँके जाएंगे)

क) इस प्रश्नपत्र में निम्नलिखित परीक्षाएं शामिल हैं:

i. सामान्य ज्ञान
ii. अंग्रेज़ी भाषा
iii. मात्रात्मक अभिरूचि और
iv. तर्कशक्ति

उत्तर देने के लिए कुल 120 मिनट का समय दिया जाएगा। तथापि प्रत्येक परीक्षा के लिए अलग-अलग समय निर्धारित होगा। परीक्षा के संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी सूचना पुस्तिका में दी जाएगी जिसे प्रवेश पत्र के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट से उम्मीदवारों द्वारा डाउनलोड किए जाने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

उम्मीदवारों को प्रत्येक परीक्षा में बोर्ड द्वारा यथा निर्धारित अलग-अलग न्यूनतम अंक तथा समग्र अंक प्राप्त करने होंगे।

जो उम्मीदवार प्रत्येक परीक्षा के लिए निर्धारित अलग-अलग न्यूनतम अंक प्राप्त करेगा उन्हें चरण-I में प्राप्त समग्र अंकों के आधार पर चरण-II परीक्षा के लिए चुना जाएगा। चरण-II परीक्षा के लिए चुने जाने के लिए न्यूनतम समग्र कट-ऑफ अंकों का निर्धारण बोर्ड द्वारा रिक्तियों की संख्या के आधार पर किया जाएगा। चरण-II परीक्षा के लिए चुने गए उम्मीदवारों के रोल नं. चरण-I परीक्षा के बाद भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे।

(II) चरण-II ऑनलाइन परीक्षा

चरण-I परीक्षा के परिणाम एवं बोर्ड द्वारा तय की गई कट-ऑफ के आधार पर चुने गए उम्मीदवारों के लिए चरण-II ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन **06 दिसंबर 2025** को किया जाएगा। चरण-II परीक्षा पालियों में आयोजित की जाएगी। उम्मीदवारों को सभी प्रश्नपत्रों एवं सभी पालियों में उपस्थित होना होगा। दोनों पालियों के लिए एक प्रवेश पत्र जारी किया

जाएगा। चरण-II परीक्षा की समय-सारणी संबंधित उम्मीदवारों को चरण-II परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र के साथ भेज दी जाएगी। चरण-II ऑनलाइन परीक्षा में निम्नानुसार तीन प्रश्नपत्र होंगे:

प्रश्नपत्र का नाम	प्रश्नपत्र का प्रकार	समयावधि (मिनट)	प्रश्नों की संख्या	अंक
प्रश्नपत्र-I: आर्थिक और सामाजिक मुद्दे	50% वस्तुनिष्ठ प्रकार	30 मिनट	@	50
	50% विवरणात्मक प्रकार, उत्तर की-बोर्ड की सहायता से टाइप करने होंगे। हिंदी में उत्तर टाइप करने का विकल्प चुनने वाले उम्मीदवारों को (i) इनस्क्रिप्ट अथवा (ii) रेमिंगटन (जीएआईएल) की-बोर्ड लेआउट की मदद से टाइप करना होगा।	90 मिनट		50
	कुल	120 मिनट		100
प्रश्नपत्र-II: अंग्रेज़ी (लेखन कौशल)	वर्णनात्मक, उत्तर की-बोर्ड की सहायता से टाइप करने होंगे।	90 मिनट	3	100
प्रश्नपत्र-III: सामान्य वित्त और प्रबंधन	50% वस्तुनिष्ठ प्रकार	30 मिनट	@	50
	50% विवरणात्मक प्रकार, उत्तर की-बोर्ड की सहायता से टाइप करने होंगे। हिंदी में उत्तर टाइप करने का विकल्प चुनने वाले उम्मीदवारों को (i) इनस्क्रिप्ट अथवा (ii) रेमिंगटन (जीएआईएल) की-बोर्ड लेआउट की मदद से टाइप करना होगा।	90 मिनट		50
	कुल	120 मिनट		100

@ प्रश्नपत्र-I और प्रश्नपत्र-III दोनों के लिए वस्तुनिष्ठ प्रकार के 30 प्रश्न 50 अंक के लिए होंगे (कुछ प्रश्नों के 2 अंक और कुछ प्रश्नों के 1 अंक होंगे)। विवरणात्मक प्रश्नों के खंड में 6 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से उम्मीदवार को 4 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे (दो प्रश्न 15 अंकों के होंगे (कठिन स्तर के अनुसार भिन्न-भिन्न) और 2 प्रश्न 10 अंकों के होंगे) यदि किसी मामले में उम्मीदवार विवरणात्मक खण्ड में 4 प्रश्नों से अधिक के उत्तर देता है तो प्रथम 4 प्रश्नों के उत्तरों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

टिप्पणी

सभी प्रश्नपत्र (दोनो चरणों में अंग्रेज़ी परीक्षा को छोड़कर) हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में तैयार किए जाएंगे।

बोर्ड अपने विवेकाधिकार पर परीक्षा तिथियों तथा समय में परिवर्तन कर सकता है।

(III) साक्षात्कार

चरण-II (प्रश्नपत्र I + प्रश्नपत्र II + प्रश्नपत्र III) में प्राप्त समग्र अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना जाएगा। साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने के लिए न्यूनतम कट-ऑफ अंकों का निर्धारण बोर्ड रिक्तियों की

संख्या के आधार पर करेगा। साक्षात्कार के लिए चुने गए उम्मीदवारों के रोल नंबर यथासमय पर भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे तथा साक्षात्कार के लिए कॉल-लेटर पंजीकृत ई-मेल आईडी पर भेजा जाएगा। साक्षात्कार 75 अंकों का होगा।

साक्षात्कार में उपस्थित होने से पूर्व उम्मीदवारों को बैंक द्वारा आयोजित व्यक्तित्व मूल्यांकन से गुजरना होगा। इसके लिए कोई अंक प्रदान नहीं की जाएंगे और यह अंतिम चयन मानदंड का हिस्सा नहीं होगा। उम्मीदवार अपनी इच्छा के अनुसार हिंदी या अंग्रेज़ी में साक्षात्कार दे सकते हैं। अंतिम तौर पर चयन मेधा सूची के आधार पर किया जाएगा जो उम्मीदवारों द्वारा चरण-II की परीक्षा तथा साक्षात्कार में प्राप्त अंकों और अनुग्रह अंकों, वर्तमान नियमों के अनुसार जो भी लागू हो, को जोड़कर बनाई जाएगी।

<u>पाठ्यक्रम (चरण-II)</u>

<u>प्रश्नपत्र-I - आर्थिक और सामाजिक मुद्दे (ईएसआई):</u>

वृद्धि और विकास – वृद्धि का मापन: राष्ट्रीय आय और प्रति व्यक्ति आय - भारत में गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन - सतत विकास और पर्यावरणीय मुद्दे।

भारतीय अर्थव्यवस्था - भारत का आर्थिक इतिहास - औद्योगिक और श्रम नीति में परिवर्तन, 1991 के सुधारों के बाद से मौद्रिक और राजकोषीय नीति - आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट की प्राथमिकताएं और सिफारिशें - भारतीय मुद्रा और वित्तीय बाजार: अर्थव्यवस्था के साथ संबंध - विकास प्रक्रिया में भारतीय बैंकों और रिज़र्व बैंक की भूमिका - सार्वजनिक वित्त - राजनीतिक अर्थव्यवस्था - भारत में औद्योगिक विकास - भारतीय कृषि - भारत में सेवा क्षेत्र

वैश्वीकरण - भारतीय अर्थव्यवस्था का खुलना - भुगतान संतुलन, आयात-निर्यात नीति - अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संस्थान - आईएमएफ और विश्व बैंक - विश्व व्यापार संगठन - क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग; अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मुद्दे

भारत में सामाजिक संरचना - बहुसंस्कृतिवाद - जनसांख्यिकीय रुझान - शहरीकरण और प्रवासन - लैंगिक मुद्दे - सामाजिक न्याय

 # सुझाई गई संदर्भ सामग्री:

- पुस्तकें: इंडियन इकॉनमी : 1. उमा कपिला (पुस्तकों की श्रृंखला) 2. इंडियन इकॉनमी : मिश्रा और पुरी (नवीनतम संस्करण) 3. ग्रोथ एंड डेवलपमेंट : देबराज रे 4. सोशियोलॉजी : सी.एन. शंकर राव 5. पब्लिक फ़ाइनेंस - केके एंडले और सुंदरम।
- प्रमुख वित्तीय समाचार पत्र।
- पत्रिकाएं/आवधिक/बुलेटिन सहित भारतीय रिज़र्व बैंक के बुलेटिन, ईपीडब्ल्यू, इंडिया टुडे आदि।
- रिपोर्ट्स : 1. विश्व विकास रिपोर्ट 2. भारत का आर्थिक सर्वेक्षण 3. आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट 4. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट, मुद्रा और वित्त पर रिपोर्ट आदि। 5. आईएमएफ: विश्व आर्थिक आउटलुक।
- आरबीआई और बीआईएस वेबसाइट से प्राप्त सामग्री।

<u>प्रश्नपत्र-II-अंग्रेज़ी (लेखन कौशल):</u>

अंग्रेज़ी का प्रश्नपत्र इस प्रकार बनाया जाएगा कि लेखन कौशल, अभिव्यक्ति तथा विषय की समझ का मूल्यांकन किया जा सके।

<u>प्रश्नपत्र-III- सामान्य वित्त और प्रबंधन:</u>

(क) वित्तीय प्रणाली

1. वित्तीय संस्थानों की संरचना और कार्य
2. भारतीय रिज़र्व बैंक के कार्य
3. भारत में बैंकिंग प्रणाली - संरचना और विकास, वित्तीय संस्थान - सिडबी, एक्जिम बैंक, नाबार्ड, एनएचबी, एनएबीएफआईडी आदि।
4. वैश्विक वित्तीय प्रणाली में हालिया विकास और भारतीय वित्तीय प्रणाली पर इसका प्रभाव
5. बैंकिंग और वित्त में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
6. गैर-बैंकिंग प्रणाली
7. डिजिटल भुगतान में विकास

(ख) वित्तीय बाजार

प्राथमिक और द्वितीयक बाजार (विदेशी मुद्रा, मुद्रा, बॉण्ड, इक्विटी आदि) के कार्य, लिखत, हालिया विकास।

(ग) सामान्य विषय

1. वित्तीय जोखिम प्रबंधन
2. व्युतपन्नी के मूल
3. वैश्विक वित्तीय बाजार और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग - व्यापक रुझान और नवीनतम विकास
4. वित्तीय समावेशन
5. वित्त का वैकल्पिक स्रोत, निजी और सामाजिक लागत-लाभ, सार्वजनिक-निजी भागीदारी
6. बैंकिंग क्षेत्र में कॉर्पोरेट अभिशासन
7. केंद्रीय बजट - अवधारणाएं, दृष्टिकोण और व्यापक रुझान
8. लेखांकन और वित्तीय विवरणों की मूल बातें - बैलेंस शीट, लाभ और हानि, नकदी प्रवाह विवरण, अनुपात विश्लेषण (जैसे इक्विटी के लिए ऋण, देनदार दिन, लेनदार दिन, इन्वेंट्री टर्नओवर, आस्तियों पर प्रतिलाभ, इक्विटी पर रिटर्न आदि)
9. मुद्रास्फीति: परिभाषा, प्रवृत्ति, अनुमान, परिणाम और उपचार (नियंत्रण): डब्ल्यूपीआई- सीपीआई - घटक और रुझान; मौद्रिक और राजकोषीय नीतियों के माध्यम से मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन बनाना

#सुझाई गई संदर्भ सामग्री

<u>वित्त</u>

- मॉनिटरी थियोरी एंड पब्लिक पॉलिसी - किनिथ कुरिहारा
- इंडियन इकॉनमी- मिश्रा और पुरी
- इकनॉमिक ग्रोथ एंड डेवेलपमेंट - मेयर एंड बाल्डविन
- फ़ाइनेंशियल मैनेजमेंट - प्रसन्न चंद्र
- मुख्य आर्थिक समाचार पत्र
- इंटरनेशनल बिज़नेस - हिल एण्ड जैन
- आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट, भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति और प्रगति पर रिपोर्ट, मुद्रा एवं वित्त पर रिपोर्ट आदि।

- आर्थिक सर्वेक्षण
- आरबीआई की वेबसाइट से प्राप्त सामग्री।

(घ) प्रबंधन:

1. प्रबंधन के मूल सिद्धांत और संगठनात्मक व्यवहार

प्रबंधन का परिचय; प्रबंधन विचार का विकास: प्रबंधन के लिए वैज्ञानिक, प्रशासनिक, मानवीय संबंध और प्रणाली दृष्टिकोण; प्रबंधन कार्य और प्रबंधकीय भूमिका; नज सिद्धांत।

संगठनात्मक व्यवहार का अर्थ और अवधारणा; व्यक्तित्व: अर्थ, व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले कारक, व्यक्तित्व का पंच कारक सिद्धान्त; सुदृढीकरण की अवधारणा; धारणा: प्रत्यक्षीकरण, अवधारणात्मक त्रुटियां। प्रेरणा: अवधारणा, महत्व, कारक सिद्धांत (मैस्लो का जरूरत संबंधी सिद्धांत, ओल्डरफर का ईआरजी सिद्धांत, मैकक्लेलैंड्स का जरूरत संबंधी सिद्धांत, हर्ज़बर्ग का द्विकारक सिद्धांत) और प्रक्रिया सिद्धांत (एडम्स का इक्विटी सिद्धांत, वरूम्स का अपेक्षा सिद्धांत)

नेतृत्व: अवधारणा, सिद्धांत (गुण, व्यवहार, आकस्मिकता, करिश्माई, संव्यवहार और परिवर्तनकारी नेतृत्व; भावनात्मक बुद्धिमता: संकल्पना, महत्व, आयाम। पारस्परिक संबंधों का विश्लेषण; लेनदेन विश्लेषण, जोहरी विंडो; विरोधाभास: संकल्पना, सूत्र, प्रकार, विरोधाभास का प्रबंधन; संगठनात्मक परिवर्तन: संकल्पना, कर्ट लेविन थ्योरी ऑफ़ चेंज; संगठनात्मक विकास (ओडी): संगठनात्मक परिवर्तन, परिवर्तन के लिए रणनीतियाँ, नियोजित परिवर्तन के सिद्धांत (लुईस परिवर्तन मॉडल, एक्शन रिसर्च मॉडल, पॉजिटिव मॉडल)

2. कार्यस्थल पर नैतिकता और कंपनी अभिशासन

नैतिकता का अर्थ, व्यवसाय में नैतिक समस्याएं क्यों होती है। नैतिकता के सिद्धांत: उपयोगितावाद: सामाजिक लागत और लाभ का आकलन, अधिकार और कर्तव्य, न्याय और निष्पक्षता, देखभाल की नैतिकता, उपयोगिता, अधिकार, न्याय और देखभाल को एकीकृत करना, नैतिक सिद्धांतों का एक विकल्प: सदाचार नैतिकता, टेलिओलॉजिकल सिद्धांत, अहंकार सिद्धांत, सापेक्षता सिद्धांत , व्यवसाय में नैतिक मुद्दे: अनुपालन, वित्त, मानव संसाधन, विपणन, आदि में नैतिकता। व्यापार में नैतिक सिद्धांत: परिचय, संगठन संरचना और नैतिकता, निदेशक मंडल की भूमिका, नैतिकता कार्यक्रम में सर्वोत्तम प्रथा, आचार संहिता, आचारण नियमावली, आदि।

कंपनी अभिशासन: कंपनी अभिशासन को प्रभावित करने वाले कारक; कंपनी अभिशासन के तंत्र।

संचार: संचार प्रक्रिया के चरण; संचार कड़ियां; मौखिक बनाम लिखित संचार; मौखिक बनाम गैर-मौखिक संचार; उर्ध्वगामी, अधोगामी और पार्श्व संचार; संचार में बाधाएं, सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका।

#सुझाई गई संदर्भ सामग्री

प्रबंधन

• स्टीफन पी. रॉबिंस एंड मैरी कूल्टर : मैनेजमेंट

• स्टीफन पी. रॉबिंस एंड न्यायाधीश टी.ए. वोहरा : ऑर्गनाइज़ेशनल बिहेवियर

• डेसलर गैरी, वार्की बीजू : ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

• डेसेन्ज़ो एंड रॉबिंस : फंडामेंटल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

• वेलास्केज़ मेन्युअल जी: बिजनेस एथिक्स - कॉन्सेप्ट्स एंड केसज़

• फर्नांडो ए.सी. : बिजनेस एथिक्स - एन इंडियन पर्सपेक्टिव

• क्रेन एंड्रयू एंड मैटेन डर्क: बिजनेस एथिक्स

• घोष बी एन: बिजनेस एथिक्स एंड कॉर्पोरेट गवर्नेंस

#सुझाई गई संदर्भ सामग्री केवल “सांकेतिक” है।